



## JALAUN POLICE

**दिनांक- 19.10.2026**

पुलिस अधीक्षक जालौन श्री सुरेश चन्द्र रावत की उपस्थिति में पुलिस लाईन उरई में एनडीआरएफ, जनपदीय पुलिस, स्वास्थ्य विभाग एवं अग्निशमन विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से त्वरित राहत व बचाव कार्यों का सजीव प्रदर्शन (Live Demonstration) किया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ० ईशान सोनी, सहायक कमांडेंट एनडीआरएफ व क्षेत्राधिकारी नगर श्री राजीव शर्मा, क्षेत्राधिकारी कालपी, श्री राजेश कमल, क्षेत्राधिकारी लाईन, श्री सदानन्द व सीफओ उपस्थित रहे।

अवगत कराना है कि आपातकालीन परिस्थितियों तथा प्राकृतिक व अप्राकृतिक आपदाओं से निपटने की पूर्व तैयारियों, रिस्पॉन्स टाइम की प्रभावशीलता एवं विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के मध्य बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय को परखने हेतु संयुक्त आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। उक्त अभ्यास के दौरान एनडीआरएफ जनपदीय पुलिस, स्वास्थ्य विभाग एवं अग्निशमन सेवा की टीमों ने संयुक्त रूप से त्वरित राहत व बचाव कार्यों का सजीव प्रदर्शन किया।

मॉक ड्रिल के दौरान सर्वप्रथम आपदा/हादसे की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ एवं पुलिस टीमों द्वारा संयुक्त रूप से आपदा स्थल की घेराबंदी कर मलबे व आपात स्थिति में फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों व तकनीकों का प्रयोग करते हुए सफल रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया तथा आपदा के दौरान उत्पन्न होने वाली आगजनी की स्थितियों पर तत्काल काबू पाने हेतु फायर ब्रिगेड की गाड़ियों एवं अग्निशमन दस्ते द्वारा त्वरित रिस्पॉन्स टाइम के साथ वॉटर होज़ पाइप्स व सुरक्षा उपकरणों के जरिए आग पर नियंत्रण पाने का प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग व पुलिस रिस्पॉन्डर्स की टीमों ने घायलों को मौके पर ही प्राथमिक चिकित्सा देने, कार्डियक अरेस्ट या श्वास रोध की स्थिति में CPR (Cardiopulmonary Resuscitation) प्रदान करने तथा एम्बुलेंस वाहनों की सुगम आवाजाही हेतु तात्कालिक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर घायलों को शीघ्रता से अस्पताल पहुँचाने का पूर्वाभ्यास किया एवं आपदा स्थल पर किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी को रोकने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा राहत-बचाव गाड़ियों की बाधा रहित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में स्थानीय पुलिस द्वारा प्रभावी बैरिकेडिंग, रूट डायवर्जन व भीड़ प्रबंधन का कार्य कुशलतापूर्वक संपन्न कराया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया है कि किसी भी आपदा के समय शुरुआती कुछ मिनट यानी 'गोल्डन ऑवर' (Golden Hour) अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य सभी संबंधित विभागों के बीच आपसी तालमेल को मजबूत करना, संसाधनों की कार्यकुशलता को जांचना तथा रिस्पॉन्स टाइम को न्यूनतम स्तर पर लाना है, ताकि वास्तविक आपदा के समय कम से कम समय में अधिकतम जीवन-रक्षा की जा सके। मॉक ड्रिल की समाप्ति के उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्रिल में शामिल समस्त टीमों के उत्कृष्ट प्रदर्शन व तत्परता की सराहना की गई तथा भविष्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।